# योगी के शासन ने लुभाया, फैक्ट्री लगाने कोलकाता से आया

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : गोरक्षनगरी में औद्योगिक विकास की बदली हुई परिस्थितियों की वजह से न सिर्फ बड़े औद्योगिक घराने यहां उद्योग स्थापित करने के लिए आगे आ रहे हैं बल्कि दूसरे प्रदेशों में उद्योग स्थापित करने वाले उद्यमी भी लौट रहे हैं। अशोक प्रसाद ऐसे ही उद्यमियों में शामिल हैं जो गोरखपुर की बदली परिस्थितियों और औद्योगिक विकास की संभावनाएं से खिंचे हुए गीडा में अपना रेडीमेड गारमेंट उद्योग स्थापित कर रहे हैं।

मूल रूप से भीटी रावत निवासी अशोक प्रसाद पश्चिम बंगाल के हावड़ा में रेडीमेड गारमेंट संबंधित अपनी इंडस्ट्री संचालित करते हैं। टी-शर्ट, बरमूडा, ट्राउजर, लैगी समेत अन्य कई प्रकार के रेडीमेड गारमेंट तैयार करते हैं, जिनका देश के विभिन्न राज्यों में निर्यात होता है। कच्चा माल मंगाने के बाद बाजार में इसे तैयार कराते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में गोरखपुर में औद्योगिक विकास संबंधित बेहतर परिस्थितियों को देखते हुए उन्होंने गीडा स्थित गारमेंट पार्क में रेडीमेड गारमेंट संबंधित अपनी फैक्ट्री स्थापित करने का निर्णय लिया। गीडा सेक्टर 26 स्थित गारमेंट पार्क में उन्हें औद्योगिक भूखंड आवंटित हुआ है,

गीडा कार्यालय● जागरण

जिसमें उन्होंने फैक्ट्री का निर्माण शुरू कर दिया है। नवंबर तक निर्माण कार्य पूरा हो जाने की संभावना है।

**150 मशीन के साथ शुरू होगी फैक्ट्री :** अशोक प्रसाद ने कहा कि करीब पांच करोड़ की लागत से 150 मशीनों के साथ अपनी फैक्ट्री शुरू कर रहे हैं। इसमें कम से कम 250 लोगों को रोजगार मिलेगा।

यहां आसानी से दक्ष कारीगर मिल जाएंगे। जो युवा रोजगार की तलाश में दिल्ली, पंजाब जाकर जीवन यापन कर रहे हैं, वह काम के बेहतर विकल्प मिलने पर अपने घर लौट आएंगे।

ऐसे में यहां दक्ष कारीगारों की कोई कमी कभी नहीं रहेगी। मांग बढ़ने के साथ ही अगले वर्ष तक इस फैक्ट्री का और विस्तार किया जाएगा। फिलहाल गोरखपुर के आसपास के जिलों के अलावा दिल्ली, पंजाब, बिहार और नेपाल यहां के उत्पादों का निर्यात किया जाएगा।

**गारमेंट पार्क में स्थापित हो रही हैं 60 इकाइयां :** गीडा गारमेंट पार्क गोरखपुर के गीडा (गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण) क्षेत्र के सेक्टर 26 में विकसित किया जा रहा है, जो गोरखपुर को रेडीमेड गारमेंट हब बनाने के उद्देश्य से 60 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित किया जा रहा है।

इस पार्क में लगभग 60 गारमेंट इकाइयों के लिए भूखंड आवंटित किए जा रहे हैं। कुछ इकाइयां स्थापित हो चुकीहैं।

### पांच करोड़ के निवेश के साथ शुरू होगी फैक्ट्री, 250 लोगों को मिलेगा रोजगार

गीडा औद्योगिक क्षेत्र में लगातार औद्योगिक इकाइयां स्थापित हो रही हैं। गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण की ओर से उन्हें हरेक तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। रेडीमेड गारमेंट संबंधी इकाइयां भी लगातार बढ़ रही हैं।

रामप्रकाश, एसीईओ, गीडा

### कई और उद्यमी गोरखपुर लौटकर लगाने वाले हैं फैक्ट्री

-विनय अग्रवाल की उत्तराखंड में प्लाई बोर्ड की फैक्ट्री है। अब प्लास्टिक की नई फैक्टरी गीडा में लगा रहे हैं। तंजानिया में फैक्टरी चला रहे इंजीनियर प्रतीक लारेंस भी स्वदेश लौट रहे हैं। प्रतीक की फैक्ट्री में प्लास्टिक दाना बनाया जाएगा। बक्शीपुर इलाके के रहने वाले और आइआइटी दिल्ली से एमटेक करने वाले गुफरान कई विदेशी कंपनियों में उच्च पदों पर रह चुके हैं। गीडा में बढ़ते कारोबारी माहौल से उत्साहित गुफरान अब खुद की फैक्टरी चलाना चाहते हैं। इन्हें गीडा में प्लाट भी आवंटित हो चुका है।